Dr. Girija uranw
Associat professor
Depatt of psychology
Rohtas mahila college, Sasaram

Date: / /
Page No.:

B.A. part-II paper III Group A

उपकल्पनाओं (Hypothesis) की विशेषताओं का उल्लेख करते हुए टाउनसैंड (Towmsand) ने निम्नलिखित विशेषताओं का उल्लेख किया है —

1. उपकल्पना समस्या का उपयुक्त उत्तर होनी चाहिए (A Hypothesis must be an adequate answer to

the problem): —— एक अच्छी उपकल्पना के लिए आवश्यक है कि वह समस्या का उपयुक्त हल प्रदान करे। किसी एक समस्या का हल अनेक उपकल्पनाओं द्वारा प्राप्त किया जा सकता है, परन्तु हर उपकल्पना को समस्या का हल भिन्न दृष्टिकोण से प्रस्तुत करना चाहिए। किसी भी एक उपकल्पना को अर्थ की दृष्टि से स्पष्ट होना चाहिए तथा एक से अधिक संभावित उत्तरों का कथन नहीं होना चाहिए। ऐसी मिश्रित उपकल्पनाओं जो एक से अधिक समय में एक से अधिक संभावित उत्तरों का कथन करती है, उनके परीक्षण के लिये क्लिष्ट प्रयोगों की आवश्यकता पड़ती है, तथा निष्कर्षों के विवेचन से कठिनाई उत्पन्न होती है।

2. उपकल्पना को समस्या का सरलतम हल होना चाहिए (A hypothesis must be simplest answer to the problem)— ऐसी उपकल्पनायें जिनमें संभावित उत्तर में केवल अनिवार्य तत्वों का उल्लेख होता है, कष्टकारक होती है। क्योंकि उपकल्पना के परीक्षण के लिये जो प्रयोग किया जाता है, उसका अभिकल्प (Design) उपकल्पना के तत्वों के आधार पर तैयार किया जाता है। अतः उपकल्पना जितनी सरल होगी, प्रयोग भी उतना ही सरल होगा तथा उसकी वैधता को सरलता से आंका जा सकेगा।

3. उपकल्पना को जाँचयुक्त होना चाहिए (A hypothesis must be verifiable)—— यदि उपकल्पना का कथन इस प्रकार किया गया हो कि उसकी जाँच न की जा सके तो वह उपकल्पना व्यर्थ होती है। "हर व्यक्ति के लिये मृत्यु की प्रतीक्षा करनी पड़ेगी। अतः अवश्यम्भावी है" एक ऐसी उपकल्पना है।

Scanned with CamScanner

जिसकी जाँच नहीं की जा सकती, क्योंकि निष्कर्षात्मक रूप से उपकल्पना की वैधता को निर्धारित करने के लिये, समस्त व्यक्तियों की मृत्यु की प्रतीक्षा करनी पड़ेगी अतः उपकल्पना का ऐसा कथन होना चाहिए जिसकी जाँच वर्तमान में की जा सके।

4. उपकल्पना इस प्रकार की होनी चाहिए कि उसे अस्वीकार भी किया जा सके (A hypothesis must be stated is such a way as to allow it to be refuted) ___ यदि किसी उपकल्पना का कथन इस प्रकार किया गया हो कि उसे प्रयोग द्वारा सिद्ध किया जा सके, पर अस्वीकार न किया जा सके, तो ऐसी उपकल्पना को एक अच्छी उपकल्पना नहीं का जा सकता। "मनुष्य आक्रामक (aggressive) जन्मजात प्रवृत्ति के कारण लड़ता है।" — एक ऐसी उपकल्पना है जिसे अस्वीकार नहीं किया जा सकता। मनुष्य जब भी लड़ेगा तो उसमें आक्रामक प्रवृत्ति की उपस्थिति को स्वीकार किया जा सकता है। परन्तु न लड़ने पर यह नहीं कहा जा सकता है कि उसमें आक्रामक प्रवृत्ति उपस्थित नहीं है। एक अच्छी उपकल्पना को सदैव संयोगी कथन होना चाहिए। उदाहरणार्थ, "तुम अपने भाई से बड़े हो" एक ऐसा कथन है जो सत्य भी हो सकता है और असत्य भी, तुम अपने भाई से बड़े भी हो सकते हैं और छोटे भी।

इसके अतिरिक्त, गुड एवं हैट (Good and Hatt) ने कुछ अन्य विशेषताओं का उल्लेख किया है, जो इस प्रकार है ___